Curriculum and Credit Framework
As per NEP 2020

For

(To be effective from the Academic Session 2024-2025)

UNDER- GRADUATE PROGRAMME HINDI
(Single Major)
Gurugram University, Gurugram

(A State Govt. University Established Under Haryana Act 17 Of 2017)

बी.ए. (हिंदी) पृष्ठभूमि

गुरुग्राम विश्वविद्यालय,हिंदी विभाग का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर पर हर क्षेत्र में बढ़ती हिंदी भाषा की अनिवार्यता से परिचित कराते हुए उन्हें भाषा , साहित्य , मूल्यों और भारतीय संस्कृति के ज्ञान एवं योग्यता के साथ उनका सर्वांगीण विकास करना है । विभाग के प्राध्यापक समर्पित एवं अनुभवी शिक्षाविद् है जो विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए सदैव तत्पर रहते हैं । विद्यार्थियों की अकादमिक प्रगति के साथ उनकी रुचि ,व्यक्तित्व विकास और भविष्योंमुखी योजनाओं को लेकर वैयक्तिक रूप से उनका मार्गदर्शन करते हैं ।हिंदी पाठ्यक्रम की संरचना और स्वरूप छात्रों के समग्र विकास को उद्धृत करने एवं हिंदी को रोज़गारोन्मुखी बनाने के लिए व्यावसायिक एवं संचार कौशल , अनुवाद ,व्यक्तित्व विकास , शोध , अभिव्यक्ति कौशल , पत्रकारिता ,सृजनात्मक लेखन , भाषा विज्ञान एवं कार्यालयी हिंदी आदि विषयों के विशिष्ट ध्येय को ध्यान में रखकर बनाया गया है ।

'सीखने की प्रक्रिया जीवनपर्यंत सक्रिय है 'एवं ' सतत् विकास 'की धारणा पर हमारा विभाग कार्यरत है ।हिंदी विभाग के द्वारा समय -समय पर सम्मेलनों, गोष्ठियों और कार्यशालाओं का आयोजन भी किया जाता है । हिंदी विभाग का प्राथमिक लक्ष्य ज्ञान परंपरा की गहराईयों में उतरना , अतीत को वर्तमान से और मनुष्य को मनुष्य से जोड़ने वाली चीजों का अध्ययन करना , मानवीय मूल्यों की प्रतिष्ठा एवं उनके उन्नयन का प्रयास करना है ।

ABOUT THE PROGRAM

बीए (हिंदी) भारतीय भाषा के महत्वपूर्ण एक स्नातक स्तरीय अध्ययन प्रोग्राम है। इसका उद्देश्य छात्रों को हिंदी भाषा, साहित्य, सांस्कृतिक और सामाजिक मामलों की गहरी समझ और ज्ञान प्रदान करना है। इस लेख में, हम बीए (हिंदी) कोर्स के बारे में विस्तृत जानकारी देंगे, जो छात्रों को इस प्रोग्राम के बारे में अधिक संक्षेप में पता करने में मदद करेगी।

1. Programme Educational Objectives (PEOs)

PEO	Description
PEO-1	छात्र हिंदी में व्याकरण का शुद्ध मौखिक एवं लिखित संप्रेषण कर सकेंगे।
PEO-2	छात्र हिंदी साहित्य के आदिकाल से आधुनिक काल तक के इतिहास और उसकी प्रतिनिधिक रचनाओं का अध्ययन कर सकेंगे।
PEO-3	छात्र प्रयोजनमूलक हिंदी का प्रयोग कर सकेंगे।

2. Programme Outcomes

PO	Description
PO-1	इस प्रोग्राम द्वारा विद्यार्थी के करियर में उन्नति हो सकती है।
PO-2	इस प्रोग्राम के बाद विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने के योग्य हो जाता है।
PO-3	विद्यार्थी अपने विषय में अधिक ज्ञान प्राप्त करके उसमें पारंगत हो जाता है।
PO-4	विद्यार्थी विषय का गहन अध्ययन कर विषय विशेष ज्ञान प्राप्त कर सकता है।
PO-5	यह प्रोग्राम विद्यार्थी को भविष्य में आत्मनिर्भर बन सकता है।
PO-6	विद्यार्थियों को आधुनिक हिंदी काव्य के विकास क्रम की जानकारी प्राप्त होगी।
PO-7	विद्यार्थी भाषा शास्त्र की अवधारणाओं ,हिंदी भाषा और उसके विकास को समझेंगे।
PO-8	विद्यार्थी आधुनिक हिंदी कथा की विशेषताओं को उसमें निहित छोटी-छोटी संवेदनाओं को समझ पाएंगे और व्याकरण का भाषा में इस्तेमाल कर पाएंगे।

3. Programme Specific Outcomes

PSO	Description
PSO-1	इस पाठ्यक्रम से स्नातक करने वाले छात्र हिंदी भाषा के साहित्यिक एवं भाषा विज्ञान संबंधी विशेषताओं से पूर्ण तथा परिचित हो सकेंगे।
PSO-2	विद्यार्थी प्राचीन काल के सामाजिक मानवीय मूल्यों को हिंदी भाषा के माध्यम से समझ सकेंगे।
PSO-3	इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हिंदी भाषा का ज्ञान प्राप्त कर विश्व स्तर पर हिंदी भाषा को सर्वोत्तम स्थान दिला सकेंगे।

PSO-4	हिंदी भाषा को इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों के व्यावहारिक पटल पर भी उपयोगी बनाया गया है।
PSO-5	इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के पश्चात विद्यार्थी परास्नातक हिंदी भाषा में अध्ययन कर सकेंगे।

स्नातक विशेषताएँ

- अनुशासनात्मक ज्ञान
- रचनात्मक और आलोचनात्मक सोच
- विचारात्मक चिंतन
- समस्या- समाधान
- विश्लेषणात्मक तर्क
- संचार कौशल
- अनुसंधान कौशल
- जीवन कौशल
- बहुसांस्कृतिक क्षमता
- नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्य
- आजीवन शिक्षा
- वैश्विक क्षमता

योग्यता वर्णनकर्ता

बी.ए.हिंदी कार्यक्रम के योग्यता वर्णनकर्ता उन अपेक्षित ज्ञान, कौशल, और दक्षताओं का वर्णन करते हैं, जो छात्रों को पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद प्राप्त होने चाहिए। ये वर्णनकर्ता सुनिश्चित करते हैं कि स्नातक हिंदी अध्ययन के क्षेत्र में विभिन्न पेशेवर और शैक्षणिक अवसरों के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं।

बी.ए.हिंदी कार्यक्रम हिंदी भाषा की उन्नत समझ का प्रदर्शन करेगा, जिसमें व्याकरण, वाक्य रचना, ध्वनिविज्ञान, और शब्दावली शामिल हैं। इसमें वैदिक, महाकाव्य, शास्त्रीय और आधुनिक हिंदी साहित्य का व्यापक ज्ञान भी शामिल होगा। हिंदी पाठों के सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, और दार्शनिक संदर्भों को समझना भी इसका हिस्सा होगा।

बी.ए.हिंदी कार्यक्रम व्यापक हिंदी पाठों का आलोचनात्मक विश्लेषण और व्याख्या करेगा, जिसमें उपयुक्त विद्वतापूर्ण पद्धतियों का उपयोग किया जाएगा। विभिन्न साहित्यिक और दार्शनिक पाठों और परंपराओं का मूल्यांकन और तुलना भारतीय बौद्धिक इतिहास के व्यापक संदर्भ में किया जाएगा। स्वतंत्र अनुसंधान करना, शोध प्रश्नों को तैयार करना, और प्राथमिक और माध्यमिक स्रोतों का प्रभावी ढंग से उपयोग करना भी इसके अंतर्गत आएगा।

बी.ए.हिंदी कार्यक्रम हिंदी पढ़ने, लिखने, और बोलने में प्रवीणता का प्रदर्शन करेगा। हिंदी पाठों का अनुवाद और व्याख्या सही तरीके से करना, भाषाई सूक्ष्मताओं और सांस्कृतिक संदर्भ को ध्यान में रखते हुए। हिंदी साहित्य और दर्शन से संबंधित विषयों पर विद्वतापूर्ण पत्र, रिपोर्ट, और प्रस्तुतियाँ तैयार करना और प्रस्तुत करना भी इसका हिस्सा होगा।

बी.ए.हिंदी कार्यक्रम में प्रभावी संचार कौशल, दोनों लिखित और मौखिक, अकादमिक और पेशेवर संदर्भों के लिए उपयुक्त होंगे। अनुसंधान और शैक्षणिक सेटिंग्स में स्वतंत्र और सहयोगात्मक कार्य करने की क्षमता का प्रदर्शन भी किया जाएगा। हिंदी ज्ञान के अध्ययन और प्रसार में नैतिक सिद्धांतों और सांस्कृतिक संवेदनशीलता का अनुप्रयोग। विभिन्न पेशेवर संदर्भों में हस्तांतरणीय महत्वपूर्ण सोच, समस्या-समाधान, और बौद्धिक अन्वेषण में कौशल का विकास करना भी इसका हिस्सा होगा।

बी.ए.हिंदी कार्यक्रम हिंदी भाषा और साहित्य में आजीवन रुचि और प्रशंसा को बढ़ावा देगा। हिंदी पाठों में संरक्षित भारत की सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत की सूक्ष्म समझ को विकसित करना। अपने स्वयं के सीखने और विद्वता के प्रति चिंतनशील और आत्म-

आलोचनात्मक दृष्टिकोण का विकास करना। अकादमिक और पेशेवर चुनौतियों के सामने अनुकूलता और लचीलापन का प्रदर्शन करना भी इसका हिस्सा होगा।

योग्यता:

उम्मीदवार को किसी भी विषय में उच्चतर माध्यमिक का प्रमाण पत्र होनी चाहिए, जिसमें कुल मिलाकर कम से कम 45% अंक (केवल हरियाणा के SC/ST/दिव्यांग उम्मीदवारों के मामले में 42.75% अंक) होने चाहिए।

रोजगार के अवसर:

दुनिया भर में हमारी राष्ट्रीय भाषा को महत्वपूर्ण महत्व दिए जाने के कारण, इसमें रोजगार के कई अवसर हैं। हिंदी साहित्य में कुछ नौकरियाँ निम्नलिखित हैं जो आपके लिए मददगार हो सकती हैं-

1. केंद्र और राज्य सरकार के विभिन्न विभागों और इकाइयों में हिंदी अधिकारी, हिंदी अनुवादक, हिंदी सहायक, प्रबंधक (राजभाषा) जैसे पद उपलब्ध हैं। आप हिंदी साहित्य में भी सरकारी नौकरियों की तलाश कर सकते हैं।
2. निजी टीवी और रेडियो चैनलों के आने से इसका दायरा बढ़ गया है। स्थापित पत्रिकाओं के हिंदी संस्करण और हिंदी मीडिया के क्षेत्र में आने से संपादकों, रिपोर्टरों, संवाददाताओं, उप-संपादकों, प्रूफरीडरों, रेडियो जॉकी, एंकर आदि की जरूरत बढ़ गई है।
3. पत्रकारिता, जनसंचार में डिग्री या डिप्लोमा के साथ हिंदी में शैक्षणिक योग्यता नौकरी चाहने वालों के लिए योग्यता है।
4. रेडियो, टीवी, सिनेमा के माध्यमों में स्क्रिप्ट राइटर, डायलॉग राइटर आदि के रूप में काम किया जा सकता है। इस क्षेत्र में रचनात्मक लेखन में स्वाभाविक और कलात्मक महारत की आवश्यकता होती है। हालाँकि, रचनात्मक लेखन में डिग्री या डिप्लोमा किसी की लेखन शैली को निखार सकता है।
5. अंतर्राष्ट्रीय लेखकों की प्रसिद्ध कृतियों, ब्लॉकबस्टर फिल्मों, विज्ञापनों और अदालतों में अनुवाद के काम की आवश्यकता इस समय चरम पर है।

Scheme of Programme

(Scheme UG A2: Undergraduate Programmes (Single Major)

Semester 1

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Total Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
Core Course(s)														
CC-A1	Hindi Natak	240/HIN/CC101	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A2	Bhasha Vigyan aur Hindi Bhasha	240/HIN/CC102	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A3	Rashtriya Kavyadhara	240/HIN/CC103	3	1		3	1		4	30	70			100
Minor/ Vocational Course(s)														
MIC-1	One from Pool(Hindi Bhasha evm Vyavharik Vyakran)	240/HIN/MI101							2					50
Multidisciplinary Course(s)														
MDC-1	One from Pool Hindi bhasha aur lipi	240/HIN/MD101							3					75
Ability Enhancement Course(s)														

AEC-1	हिंदी भाषा और सम्प्रेषण -1	240/HIN/AE101							2					50
Skill Enhancement Course(s)														
SEC-1	One from Pool	240/HIN/SE101							3					75
Value-added Course(s)														
VAC-1	One from Pool	240/HIN/VA101							2					50
Total Credits									**24**					**600**

<u>Semester 2</u>

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
Core Course(s)														
CC-A4	Hindi Upanyas	240/HIN/CC204	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A5	Computer aur Hindi Bhasha	240/HIN/CC205	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A6	Hindi Sahitya ka Itihas (Aadikal se Ritikal)	240/HIN/CC206	3	1		3	1		4	30	70			100
Minor/ Vocational Course(s)														
MIC-2	One from Pool (Rajbhasha evm Rashtrabhasha ke roop mei	240/HIN/MI202							2					50

	Hindi)													
Multidisciplinary Course(s)														
MDC-2 240HINMDC20	One from	Pool 2							3					75
Ability Enhancement Course(s)														
AEC-2		240/HIN/AE202							2					50
Skill Enhancement Course(s)														
SEC-2	One from Pool	240/HIN/AE202							3					75
Value-added Course(s)														
VAC-2	One from Pool	240/HIN/VA202							**2**					**50**
Total Credits									**24**					**600**

Semester 3

Course Code	**Course Title**	**Course ID**	**L**	**T**	**P**	**L**	**T**	**P**	**Credits**	**MARKS**				
			(Hrs)			**Credits**				**TI**	**TE**	**PI**	**PE**	**Total**
Core Course(s)														
CC-A7	Madhyakalin Hindi Kavita	240/HIN/CC307	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A8	Kahani Sahitya	240/HIN/CC308	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A9	Hindi Sahitya ka Adhunikkal	240/HIN/CC309	3	1		3	1		4	30	70			100

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Credits	TI	TE	PI	PE	Total
Minor/ Vocational Course(s)														
MIC-3	Vyavsayik Samprekshan aur Hindi Bhasha	240/HIN/MI303							4					100
MDC-3	One from Pool	240/HIN/MD303							3					75
Ability Enhancement Course(s)														
AEC-3	One from Pool	240/HIN/AE303							2					50
Total Credits									**20**					**50**

Semester 4

Course Code	**Course Title**	**Course ID**	**L**	**T**	**P**	**L**	**T**	**P**	**Credits**	**MARKS**				
			(Hrs)			**Credits**				**TI**	**TE**	**PI**	**PE**	**Total**
Core Course(s)														
CC-A10	Kavyabg Parichay	240/HIN/CC410	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A11	Adhunik Hindi Kavita	240/HIN/CC411	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A12	Hindi ka Maukhik Sahitya: Vishesh Sandarbhav adhi evm Haryanvi	240/HIN/CC412	3	1		3	1		4	30	70			100
Minor/ Vocational Course(s)														

MIC4/VOC-1		240/HIN/MI404 240/HIN/VO401							4					100
Ability Enhancement Course(s)														
AEC-4	One from Pool	240/HIN/AE404							2					50
Value-added Course(s)														
VAC-3	One from Pool	240/HIN/VA403							**2**					**50**
Total Credits									**20**					**500**

Semester 5

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
Core Course(s)														
CC-A13	Bhartiya evm Paschatya Kavyashastra	240/HIN/CC513	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A14	Nibhandh Sahitya	240/HIN/CC514	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A15	Vishesh Lekhak Premchand-Godan, Sewasadan	240/HIN/CC515	3	1		3	1		4	30	70			100
Minor/ Vocational Course(s)														

MIC-5/VOC-2	One from Pool	240/HIN/MI505							4					100
Skill Enhancement Course(s)														
Internship									4					100
Total Credits									**20**					

Semester 6

Course Code	**Course Title**	**Course ID**	**L**	**T**	**P**	**L**	**T**	**P**	**Credits**	**MARKS**				
			(Hrs)			**Credits**				**TI**	**TE**	**PI**	**PE**	**Total**
Core Course(s)														
CC-A16	Nibandh Lekhan	240/HIN/CC616	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A17	Vishisht Kavi Nirala, Kabirdas, Surdas, Agyey, Bihari	240/HIN/CC617	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A18	Hindi ka Srijnatmak evm Prayojanmulak Swarup	240/HIN/CC618	3	1		3	1		4	30	70			75
Minor/ Vocational Course(s)														
MIC-6	One from Pool	240/HIN/MI606							4					100
VOC - 3	One from Pool	240/HIN/VI603							4					100
Skill Enhancement Course(s)														

SEC-3	One from Pool	240/HIN/SE603							3					75
Total Credits									**22**					**550**

Semester- 3

Nature of Work	**Course Credits**	**Contact hours per week**	**Contact hours per semester (15 weeks)**
Lecture	01	01	15
Tutorial per paper	01	01	15
Practical, Seminar, Internship, field practice/project, or community engagement, etc.	01	02	30

Note: Tutorial batch size (UG programme: 20-25, PG Programme: 12-15)

The distribution of credits among the lectures/tutorial/practicum will be as follows:

Courses	**Total Credits**	**L (Credits)**	**T (Credits)**	**P (Credits)**	**MARKS**			
					TI	**TE**	**PI**	**PE**
Only Theory	4	3 (3 hrs)	1	-	30	70	-	-
	3	2 (2 hrs)	1	-	25	50	-	-
	2	1	1	-	15	35	-	-
Theory and Practicum	4	3 (3 hrs)	-	1 (2 hrs)	25	50	5	20

	4 (Where pract. is dominant)	2 (2 hrs)	-	2 (4 hrs)	15	35	15	35
	3	2 (2 hrs)	-	1 (2 hrs)	15	35	5	20
	2	1	-	1 (2 hrs)	5	20	5	20
When Practicum is separate course	2	-	-	2 (4 hrs)	-	-	15	35
	3	-	-	3 (6 hrs)	-	-	25	50
	4	-	-	4 (8 hrs)	-	-	30	70
AEC/VAC	2	2 (2 hrs)			15	35	-	-
SEC	3	2 (2 hrs)		1 (2 hrs)	15	35	5	20
	2	1		1 (2 hrs)	5	20	5	20
DSE	4	3 (3 hrs)		1 (2 hrs)	25	50	5	20
Minor/VOC	4	2 (2 hrs)		2 (4 hrs)	15	35	15	35
Internship	4	--	--	4 (8 hrs)			30	70

L= Lecture; T= Tutorial, P= Practicum; Ti= Theory Internal Assessment; TE= Theory End Semester Examination;
PI= Practicum Internal; PE= Practicum End Semester examination

Scheme Of Programme 2024-2025 (Gurugram University)

Scheme UG-A 2: Under- Graduate Programmes (Single Major) HINDI HONS

सेमेस्टर - 1

CCA1-हिंदी नाटक पूर्णांक - 100

आतंरिक मूल्यांकन - 30
लिखित - 70

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A1	Hindi Naatak	240/HIN/CC101

पाठयक्रम उद्‌देश्य :

- नाटक की सैधांतिक अवधारणा को समझना|
- प्रमुख नाटकों और नाटककारों की विशिष्टताओं से व्यक्ति और समाज के अंतर्संबंधों को समझना|

पाठयक्रम परिणाम :

- नाटकों के इतिहास से परिचित कराना|
- नाटकों के माध्यम से समाज और उसकी सरंचना का अध्ययन करना|

पाठयक्रम

इकाई -1

- हिंदी नाटक पाठ्यक्रम में निर्धारित नाटक
- 'मिस्टर अभिमन्यु' : लक्ष्मी नारायणलाल
- शम्बूक : जगदीश चंद्रगुप्त

इकाई -2

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

'मिस्टर अभिमन्यु' :

- 'मिस्टर अभिमन्यु' नामकरण की सार्थकता
- 'मिस्टर अभिमन्यु' में राष्ट्रवाद की भावना
- 'मिस्टर अभिमन्यु' की पात्र - योजना
- 'मिस्टर अभिमन्यु' नाटक में इतिहास एवं कल्पना का समन्वय
- 'मिस्टर अभिमन्यु' की अभिनेयता
- लक्ष्मी नारायणलाल का साहित्यिक परिचय

'शम्बूक' नाटक

- 'शम्बूक' का प्रतिपाद्य
- 'शम्बूक' की पात्र - योजना
- 'शम्बूक' का काव्य- रूप
- 'शम्बूक' की प्रासंगिकता
- जगदीश गुप्त का साहित्यिक परिचय

निर्देश

- निर्दिष्ट पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ चार- चार अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा। कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं दो- दो अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।
- प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में तीन खंडों के निर्दिष्ट आलोच्य विषयों में से कोई पांच प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। पाठ्य-पुस्तक में एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 21 अंकों का होगा।
- पूरे पाठ्यक्रम में से कोई पांच आलोचनात्मक लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा।कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है| पूरा प्रश्न 16 अंकों का होगा।
- पूरे पाठयक्रम से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा| पूरा प्रश्न 9 अंक का होगा|

सेमेस्टर - 1

CC-A2-भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा

पूर्णांक - 100
आतंरिक मूल्यांकन - 30
लिखित - 70

Course Code	Course Title	Course ID
CC- A2	Bhaasha Vigyaan aur Hindi Bhasha	240/HIN/CC102

पाठ्यक्रम उद्देश्य**:**

- भाषा विज्ञान के विशिष्ट समझ विकसित करना।
- भाषा की विशेषताओं और उसके उपयोग का विश्लेषण।
- आत्मक ज्ञान प्राप्त करना।

पाठ्यक्रम परिणाम:

- भाषा और उसके उपयोग का ज्ञान।
- भाषा संबंधी विभिन्न पद्धतियों का ज्ञान।
- भाषा की परिभाषा और प्रवृत्ति।
- भाषा के अध्ययन क्षेत्र।
- भाषा की व्यवस्था और व्यवहार।
- भाषा की संरचना।
- भाषा के अध्ययन की दिशाएं।

<u>पाठ्यक्रम :</u>

<u>इकाई- 1</u>

- भाषा की परिभाषा
- भाषा की प्रकृति
- भाषा की व्यवहारिक व्यवस्था
- भाषा - अध्ययन की दिशाएं

<u>इकाई- 2</u>

- पश्चिमी हिंदी की बोलियों (बज, कौरवी, हरियाणवी, कन्नौजी, बुंदेली) का परिचय
- पूर्वी हिंदी की बोलियों (अवधी, बघेली, छत्तीसगढ़ी) का परिचय
- मानक हिंदी की विशेषताएं

<u>इकाई-3</u>

- हिंदी स्वर एवं व्यंजन ध्वनियों का सामान्य परिचय
- हिंदी शब्दों का वर्गीकरण
- हिंदी वर्तनी

इकाई-4

- हिंदी पद , पद-भेद और समस्त पद
- अर्थ परिभाषा, शब्द-अर्थ-संबंध एवं अर्थ परिवर्तन की दिशाएं

इकाई-5

- नागरी लिपि का वर्तमान स्वरूप
- नागरी लिपि की विशेषताएं
- नागरी लिपि का मानकीकरण

निर्देश:

- पूरे पाठ्यक्रम में से आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा| प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ अंक निश्चित है| पूरी इकाई-1 32 अंकों की होगी|
- पूरे पाठ्यक्रम में 10 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में से किन्हीं 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा| प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा| पूरी इकाई -2 30 अंकों की होगी|
- पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न एक- एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा|

सहायक ग्रंथ:

- "भाषा विज्ञान और मानक हिंदी" - डॉक्टर नरेश मिश्रा, अभिनव प्रकाशन।
- "भाषा और हिंदी भाषा का इतिहास" - डॉक्टर नरेश मिश्रा, हरियाणा साहित्य अकादमी।
- "भाषा विज्ञान" - डॉक्टर नरेश मिश्रा, निर्मल पब्लिकेशन।
- "हिंदी भाषा" - डॉक्टर भोलानाथ तिवारी, किताब महल।
- "हिंदी भाषा का इतिहास" - डॉक्टर धीरेंद्र वर्मा, हिंदुस्तान अकैडमी।
- "हिंदी उपभोग, विकास और रूप" - डॉक्टर हरदेव बिहारी, किताब महल।
- "सामान्य भाषा विज्ञान" - बाबूराम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन।
- "नागरी लिपि" - डॉक्टर नरेश मिश्रा, निर्मल पब्लिकेशन।

सेमेस्टर - 1

राष्ट्रीय काव्यधारा

पूर्णाक - 100
आतंरिक मूल्यांकन - 30

लिखित - 70

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A3	राष्ट्रीय काव्यधारा	240/HIN/CC103

पाठयक्रम उद्देश्य:

- आधुनिक हिंदी काव्यधारा का विश्लेषणात्मक ज्ञान कराना|
- आधुनिक हिंदी कविता के विविध रूपों का ज्ञान प्रदान करना|

पाठयक्रम परिणाम:

- आधुनिक हिंदी राष्ट्र काव्यधारा की प्रमुख प्रवृत्तियों की समझ पैदा करना|
- आधुनिक हिंदी कविता के विविध आयाम एवं प्रमुख कवियों की उत्कृष्ट रचनाओं का अध्ययन करना |

<u>पाठयक्रम :</u>

निर्धारित पाठ्य पुस्तक-" राष्ट्रीय काव्यधारा "संपादक- डॉ कन्हैया सिंह(वाणी प्रकाशन)नई दिल्ली
<u>निम्नलिखित कवियों की कविताएं:</u> मैथिलीशरणगुप्त , रामचरित उपाध्याय , माखनलाल चतुर्वेदी , बालकृष्ण शर्मा नवीन , रामधारी सिंह दिनकर

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न:

- राष्ट्रीय काव्यधारा की अवधारणा एवं महत्व
- राष्ट्रीय काव्यधारा की पृष्ठभूमि
- पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों का साहित्यिक परिचय
- पाठ्यक्रम में निर्धारित कविताओं के अभिव्यक्गित सौष्ठव पर आलोचनात्मक प्रश्न
- पाठ्यक्रम में निर्धारित कविताओं की अनुभूतिगत वैशिष्ट्य पर आलोचनात्मक प्रश्न

<u>निर्देश:</u>- 1.पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से चार पाठ्यांश दिए जाएंगे| विद्यार्थी को किन्हीं दो की व्याख्या करनी होगी| इसके लिए 12 अंक निर्धारित है| प्रत्येक के लिए 6 अंक निर्धारित है|

2.दिए गए पाठ्यक्रम में पांच प्रश्न पूछे जाएंगे| विद्यार्थियों को उनमें से तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा| प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का होगा| इसके लिए 21 अंक निर्धारित है|

3.पाठ्यक्रम में निर्धारित लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे| विद्यार्थियों को 6 प्रश्नों में से चार प्रश्नों का 250 शब्दों में उत्तर देना होगा| प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक होंगे| इसके लिए 16 अंक निर्धारित है|

4.निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम से रचनाकारों के साहित्यिक परिचय से तीन प्रश्न पूछे जाएंगे| विद्यार्थियों को इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना और प्रत्येक प्रश्न के लिए 6-6 अंक निर्धारित है| कुल 12 अंक निर्धारित है|

5.निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 9 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे| विद्यार्थियों को प्रत्येक प्रश्न का उत्तर देना होगा| इसके लिए 9 अंक निश्चित है| इसमें कोई विकल्प नहीं होगा|

<u>निर्धारित पाठ्य-पुस्तक :</u>

- राष्ट्रीय काव्यधारा, संपादक डॉक्टर कन्हैया सिंह, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली

सेमेस्टर - 1

MIC1-हिंदी भाषा एवं व्यावहारिक व्याकरण

अधिकतम अंक:50
लिखित परीक्षा:35
आंतरिक मूल्यांकन:15

Course Code	Course Title	Course ID
MIC-1	**हिंदी भाषा एवं व्यावहारिक व्याकरण**	240/HIN/MI101

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

- विद्यार्थियों को भाषा के नियमों से परिचित कराना
- हिंदी भाषा की व्याकरणिक नियमों की आधारभूत जानकारी देना
- भाषा की विविध ध्वनियों के उच्चारण के नियमों का समुचित ज्ञान कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम:

- विद्यार्थी व्याकरणिक संरचना का ज्ञान प्राप्त करेंगे
- मौखिक अभिव्यक्ति के मानक और मानक रूपों से परिचित होंगे
- हिंदी भाषा के स्वर में रूपों की समझ विकसित होगी

पाठ्यक्रम:

इकाई एक : भाषा और व्याकरण

- भाषा की परिभाषा एवं विशेषताएं
- व्याकरण की परिभाषा और महत्व
- भाषा और व्याकरण का अंतः संबंध
- ध्वनि वर्णन एवं मात्राएं

इकाई दो : शब्द परिचय

- शब्दों के भेद : तत्सम ,तद्भव ,देशज और विदेशी
- शब्दों की व्याकरण कोटिया:संज्ञा,सर्वनाम, क्रिया, विशेषण आदि(केवल परिभाषाएवं भेद)
- शब्दों का रूपांतरण , शब्दगत अशुद्धियां

इकाई तीन : पद विचार

- विचार पद का स्वरूप , शब्द और पद में अंतर
- विकारी शब्द से तात्पर्य और अविकारी शब्दों से तात्पर्य
- विकारी शब्दों की रूप रचना (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया)
- अविकारी शब्द (अवयव)

इकाई चार : वाक्य विचार

- वाक्य की परिभाषा , उसके अंग और वाक्यगत अशुद्धियां

निर्देश:

1) इकाई एक में से कुल 2 प्रश्न दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को कोई एक प्रश्न करना होगा। यह प्रश्न 10 अंक का होगा। 10*1=10

2) इकाई दो में से कुल 2 प्रश्न दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को कोई एक प्रश्न करना होगा। यह प्रश्न 10 अंक का होगा। 10*1=10

3) इकाई तीन में से कुल 2 प्रश्न दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को कोई एक प्रश्न करना होगा। यह प्रश्न 10 अंक का होगा। 10*1=10

4) पाठ्यक्रम में से 5 अनिवार्य वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। सम्पूर्ण प्रश्न 5 अंको का होगा।

संदर्भ पुस्तकें-: वृहद सामान्य हिन्दी- डॉक्टर पृथ्वीनाथ पाण्डेय .

हिन्दी शब्द- अर्थ- प्रयोग- डॉक्टर हरदेव बाहरी (अभिव्यक्ति प्रकाशन,B-31,गोविन्दपुर कालोनी,इलाहाबाद-211004)

आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना- डॉक्टर वासुदेवनन्दन प्रसाद ..

सेमेस्टर -2

CCA4- हिंदी उपन्यास

पूर्णांक - 100

आतंरिक मूल्यांकन - 30

लिखित - 70

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A4	हिंदी उपन्यास	240/HIN/CC204

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- उपन्यास की सैधांतिक अवधारणा को समझना|
- प्रमुख उपन्यास और उपन्यासकारों की विशिष्टताओं से व्यक्ति और समाज के अंतर्संबंधों को समझना|

पाठ्यक्रम परिणाम :

- उपन्यास के इतिहास से परिचित कराना|
- उपन्यासों के माध्यम से समाज और उसकी सरंचना का अध्ययन करना|

<u>पाठ्यक्रम:</u>

खंड - क : पाठ्यक्रम में निर्धारित उपन्यास

1. त्यागपत्र - जैनेन्द्र कुमार

2. सूरज का सातवां घोड़ा - धर्मवीर भारती

खंड - ख पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

<u>त्यागपत्र :</u>

1.त्यागपत्र का मूल प्रतिपाद्य

2.त्यागपत्र की पात्र- योजना

3.त्यागपत्र की प्रासंगिकता

4.जैनेंद्र कुमार का साहित्यिक परिचय

सूरज का सातवां घोडा - धर्मवीर भारती

1.सूरज का सातवां घोड़ा का उद्देश्य

2.सूरज का सातवां घोड़ा की पात्र - योजना

3.सूरज का सातवां घोड़ा नामकरण की सार्थकता

4.सूरज का सातवां घोड़ा की उपन्यास कला

5.धर्मवीर भारती का साहित्यिक परिचय

निर्देश:

- निर्दिष्ट पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ चार- चार अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा। कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं दो- दो अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।
- प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में तीन खंडों के निर्दिष्ट आलोच्य विषयों में से कोई पांच प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। पाठ्य-पुस्तक में एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 21 अंकों का होगा।
- पूरे पाठ्यक्रम में से कोई पांच आलोचनात्मक लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा।कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है| पूरा प्रश्न 16 अंकों का होगा।
- पूरे पाठयक्रम से 9 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा| पूरा प्रश्न 9 अंक का होगा|

सेमेस्टर - 2

CCA5-कंप्यूटर और हिंदी भाषा

पूर्णांक - 100
आतंरिक मूल्यांकन - 30

लिखित - 70

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A5	कंप्यूटर और हिंदी भाषा	240/HIN/CC205

पाठयक्रम उद्देश्य : यह एक व्यवसायिक कोर्स है, जो सम्प्रेषण और कौशल विकसित करने के लिए है। इसका उद्देश्य छात्रों को कंप्यूटर ज्ञान में प्रशिक्षित करना है। यह छात्रों को कंप्यूटर संचालन में दक्ष और तकनीकी ज्ञान से सुसज्जित करेगा।

पाठयक्रम परिणाम: - पाठ्यक्रम परिणाम – विद्यार्थी कंप्यूटर का तकनीकी ज्ञान प्राप्त कर सकेगें | कंप्यूटर ज्ञान में दक्ष और सम्प्रेषण कौशल का विकास कर सकेंगे।

<u>पाठयक्रम :</u>

खंड - क : कंप्यूटर का विकास और हिंदी

- कंप्यूटर का परिचय और विकास
- कंप्यूटर में हिंदी का आरंभ एवं विकास
- हिंदी के विविध फोंट
- कंप्यूटर में हिंदी की चुनौतियां और समस्त संभावनाएं

खंड - ख हिंदी भाषा और प्रौद्योगिकी

- इंटरनेट पर हिंदी
- यूनिकोड, देवनागरी और हिंदी भाषा
- हिंदी और वेब डिजाइनिंग
- हिंदी वेबसाइट

खंड - ग हिंदी भाषा कंप्यूटर और गवर्नेंस

- राजभाषा हिंदी के प्रचार के रूप में कंप्यूटर की भूमिका
- ई गवर्नेंस

- हिंदी भाषा शिक्षण और ई लर्निंग

खंड - घ हिंदी भाषा और कंप्यूटर विविध पक्ष

- इंटरनेट पर हिंदी पत्र पत्रिकाएं
- एसएमएस की हिंदी
- न्यू मीडिया और हिंदी भाषा
- हिंदी के विभिन्न बोर्ड

<u>निर्देश:-</u> 1.पूरे पाठ्यक्रम में से आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा| प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ अंक निश्चित है| पूरा खंड - क 32 अंकों का होगा|

2.पूरे पाठ्यक्रम में 10 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में से किन्हीं 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा| प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा| पूरा खंड-ख 30 अंकों का होगा|

3.पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न एक- एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा|

सेमेस्टर - 2

CCA5-हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल)

पूर्णांक - 100

आतंरिक मूल्यांकन - 30

लिखित - 70

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A5	हिंदी साहित्य का इतिहास आदिकाल से रीतिकाल	240/HIN/CC206

पाठयक्रम उद्देश्य :

- हिंदी साहित्य के इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान।
- इतिहास लेखन, प्रमुख इतिहास ग्रंथ और विभिन्न युगों का विशिष्ट ज्ञान प्रदान करना।

पाठयक्रम परिणाम:

- साहित्य इतिहास के ग्रंथों का अध्ययन करना।
- हिंदी साहित्य के विभिन्न युगों का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

<u>पाठयक्रम:</u>

खंड :क आदिकाल

- हिंदी साहित्य इतिहास लेखन की परंपरा
- हिंदी साहित्य काल विभाजन एवं नामकरण
- आदिकाल का नामकरण
- आदिकालीन हिंदी कविता का प्रवेश
- आदिकालीन हिंदी कविता की प्रवृत्तियां
- रासो काव्य का परंपरा
- अमीर खुसरो की हिंदी कविता

खंड - ख भक्तिकाल

- भक्तिकाल का प्रेरणा स्रोत
- निर्गुण काव्य परंपरा और प्रवृत्तियां
- सूफी काव्य परंपराअ और प्रवृत्तियां

- कृष्ण काव्य परंपरा और प्रवृतियां
- राम काव्य परंपरा और प्रवृत्तियां
- भक्तिकाल की उपलब्धियां

खंड - ग रीतिकाल

- रीतिकाल का नामकरण
- रीतिकाल की पृष्ठभूमि
- रीतिकाल की प्रवृत्तियां
- रीतिमुक्त काव्य की प्रवृत्तियां
- रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्व

निर्देश:-

- पूरे पाठ्यक्रम में से आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा| प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ अंक निश्चित है| पूरा खंड - क 32 अंकों का होगा|
- पूरे पाठ्यक्रम में 10 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में से किन्हीं 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा| प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा| पूरा खंड-ख 30 अंकों का होगा|
- पूरे पाठ्यक्रम में से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न एक- एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा|

सेमेस्टर - 2

MIC-2 : राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा के रूप मे हिंदी

पूर्णांक - 50

आतंरिक मूल्यांकन - 15

लिखित - 35

Course Code	Course Title	Course ID
MIC-2	राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा के रूप मे हिंदी	240/HIN/M I202

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

भाषा की समझ विकसित करना: छात्रों में राजभाषा की गहन समझ विकसित करना ताकि वे सरकारी और प्रशासनिक कार्यों में इसका प्रभावी उपयोग कर सकें।

- भाषाई दक्षता: विद्यार्थियों को राजभाषा में लिखने, पढ़ने, बोलने और सुनने की दक्षता प्रदान करना।

पाठयक्रम परिणाम **:**

- राजभाषा के माध्यम से सांस्कृतिक धरोहर और परंपराओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना।

<u>पाठयक्रम :</u>

खंड **-** क राजभाषा एवम राष्ट्रभाषा से तात्पर्य

- राष्ट्रभाषा का महत्त्व, परिभाषा, एवम स्वरूप
- राजभाषा का महत्त्व, परिभाषा, एवम स्वरूप
- राजभाषा और राष्ट्रभाषा में अंतर

खंड - ख राजभाषा के रूप मे हिंदी

- राजभाषा के रूप मे हिंदी का विकास ,राजभाषा का वर्गीकरण
- राजभाषा के रूप मे हिंदी की संवैधानिक स्थिति , राजभाषा अनुच्छेद

खंड- ग राष्ट्रभाषा के रूप मे हिंदी

- राष्ट्रभाषा के रूप मे हिंदी का विकास ,राष्ट्रभाषा का वर्गीकरण
- राष्ट्रभाषा के रूप मे हिंदी की संवैधानिक स्थिति , राष्ट्रभाषा अनुच्छेद
- राजभाषा एवम राष्ट्रभाषा के सहयोग में हिंदी की प्रमुख संस्थाएं

संदर्भ पुस्तकें: राजभाषा हिंदी और उसका स्वरूप" - डॉहजारीप्रसाद द्विवेदी .

- "भारतीय संविधान में हिंदी" - डॉ. रघुवीर सहाय
- "हिंदी राजभाषासमस्याएं और समाधान :" - डॉवासुदेव नन्दन प्रसाद .
- "राजभाषा हिंदीसिद्धांत और व्यवहार :" - डॉहरिशंकर मिश्र .
- "राष्ट्रभाषा हिंदीस्वरूप और विकास :" - डॉनामवर सिंह .
- "हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास" - डॉगणेश प्रसाद द्विवेदी .
- "हिंदी साहित्य का आधुनिक काल" - डॉरामविलास शर्मा .
- "राष्ट्रभाषा हिंदी का विकास" - डॉ. हरिवंशराय बच्चन
- "हिंदी की राष्ट्रभाषा की भूमिका" - डॉधर्मवीर भारती .

निर्देश: 1)खंड क में से कुल 2 प्रश्न दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को कोई एक प्रश्न करना होगा। यह प्रश्न 10 अंक का होगा। 10*1=10

2) खंड ख में से कुल 2 प्रश्न दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को कोई एक प्रश्न करना होगा। यह प्रश्न 10 अंक का होगा। 10*1=10

3) खंड ग में से कुल 2 प्रश्न दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को कोई एक प्रश्न करना होगा। यह प्रश्न 10 अंक का होगा। 10*1=10

4)पाठ्यक्रम में से 5 अनिवार्य वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। सम्पूर्ण प्रश्न 5 अंको का होगा।

सेमेस्टर – 3

CCA7- मध्यकालीन हिंदी कविता

पूर्णांक - 100

आतंरिक मूल्यांकन - 30

लिखित - 70

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Total Credits	Marks				
			Hours			Credit				TI	TE	PI	PE	Total
CC-A7	मध्यकालीन हिंदी कविता	240/HIN /CC307	3	1	-	3	1	-	4	30	70	-	-	100

पाठयक्रम उद्देश्य : - मध्यकालीन हिंदी कविता का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्रदान करना |

-मध्यकालीन हिंदी कविता के विविध रूपों का ज्ञान कराना |

पाठयक्रम परिणाम:- मध्यकालीन हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों की समझ विकसित करना|

-मध्यकालीन हिंदी कविता के विविध आयाम एवं प्रमुख कवियों की उत्कृष्ट रचनाओं का अध्ययन करना|

पाठयक्रम : भक्तिकालीन काव्य कलाप- संपादक डॉ रामसंजय पांडे , प्रकाशक- खाटू श्याम प्रकाशन, 1276/5 पीर जी मोहल्ला, प्रताप टॉकीज, रोहतक , मोबाइल नंबर -9991708080

खंड – क कबीर

- कबीर का समाजसुधारक रूप
- कबीर की भक्तिभावना
- कबीर का वात्सल्य वर्णन
- कबीर का श्रृंगार वर्णन
- तुलसी का समन्वयवाद
- तुलसी की सार्थकता
- जायसी का वियोग-वर्णन
- पद्मावत का महाकाव्य
- रविदास की भक्तिभावना
- रविदास की सामाजिक चेतना

खंड – ख रीतिकालीन काव्य कुंज - संपादक डॉ राम संजय पांडे, प्रकाशक खाटू श्याम प्रकाशन, 1276/5 पीर जी मोहल्ला, प्रताप टॉकीज,रोहतक, मोबाइल नंबर- 9991708080

- केशव का काव्य वैशिष्ट्य
- केशव का आचार्य

- देव का काव्य - वैशिष्ट्य
- देव का अभिव्यक्ति विधान
- सतसई परंपरा में बिहारी सतसई का स्थान
- बिहार की बहुज्ञता
- भूषण के काव्य का प्रतिपाद्य
- सिद्ध कीजिए कि भूषण युग के प्रवर्तक कवि हैं
- घनानंद का प्रेम- निरूपण
- घनानंद के काव्य पक्ष का कला पक्ष

निर्देश:-

- पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से चार पाठ्यांश दिए जाएंगे| विद्यार्थी को किन्हीं दो की व्याख्या करनी होगी| इसके लिए 12 अंक निर्धारित है| प्रत्येक के लिए 6 अंक निर्धारित है|
- दिए गए पाठ्यक्रम में पांच प्रश्न पूछे जाएंगे| विद्यार्थियों को उनमें से तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा| प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का होगा| इसके लिए 21 अंक निर्धारित है|
- पाठ्यक्रम में निर्धारित लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे| विद्यार्थियों को 6 प्रश्नों में से चार प्रश्नों का 250 शब्दों में उत्तर देना होगा| प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक होंगे| इसके लिए 16 अंक निर्धारित है|
- निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम से रचनाकारों के साहित्यिक परिचय से तीन प्रश्न पूछे जाएंगे| विद्यार्थियों को इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना और प्रत्येक प्रश्न के लिए 6-6 अंक निर्धारित है| कुल 12 अंक निर्धारित है|
- निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 9 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे| विद्यार्थियों को प्रत्येक प्रश्न का उत्तर देना होगा| इसके लिए 9 अंक निश्चित है| इसमें कोई विकल्प नहीं होगा|

सेमेस्टर-3

CCA8-कहानी साहित्य

पूर्णांक - 100

आतंरिक मूल्यांकन - 30

लिखित - 70

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Total Credits	Marks				
			Hours			Credit				TI	TE	PI	PE	Total
CC-A8	कहानी साहित्य	240/HIN /CC308	3	1	-	3	1	-	4	30	70	-	-	100

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

- कहानियों के माध्यम से समाज और संस्कृति की जानकारी देना।
- कहानियों के माध्यम से छात्र को समाज से जोड़ना।

पाठ्यक्रम परिणाम -

- कहानियों के माध्यम से समाज के संबंधों की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त होगी।
- 2) कहानियों के माध्यम से सर्वांगीण विकास करना ।

पाठ्यक्रम :

खंड - क प्रतिनिधि कहानियां, संपादक डॉ. रोहिणी अग्रवाल

निर्धारित कहानियां - शतरंज के खिलाड़ी - प्रेमचंद खंड 1 से

- जाहनवी- जैनेंद्र खंड 3 से
- डाची - अश्क - खंड 3 से
- परिंदे- निर्मल वर्मा खंड 5 से
- कस्बे का आदमी - कमलेश्वर खंड चार से
- खेल-खिलौने, राजेंद्र यादव खंड 5 से
- लाल पान की बेगम - फणीश्वर नाथ रेणु खंड 5 से
- अमृतसर आ गया- भीष्म साहनी खंड 7 से
- बहिर्गमन- ज्ञान रंजन खंड 7 से
- आपकी छोटी लड़की- ममता कालिया खंड 6 से
- त्रिशंकु - मन्नू भंडारी खंड 6 से
- आपका रास्ता लो बाबा - काशीनाथ खंड 9 से

- अतिथि देवो भव - अब्दुल्ला बिस्मिल्लाह खंड 10 से
- मलबा - मंजुल भगत खंड 10 से
- प्रमोशन - ओमप्रकाश वाल्मीकि खंड 11 से

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न :- निर्धारित कहानीकारों का साहित्यिक परिचय, निर्धारित कहानियों का प्रतिपाद्य तथा कहानी कला पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे|

- निर्दिष्ट पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ चार- चार अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा। कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं दो- दो अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।
- प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में तीन खंडों के निर्दिष्ट आलोच्य विषयों में से कोई पांच प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। पाठ्य-पुस्तक में एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 21 अंकों का होगा।
- पूरे पाठ्यक्रम में से कोई पांच आलोचनात्मक लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा।कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है| पूरा प्रश्न 16 अंकों का होगा।
- पूरे पाठयक्रम से 9 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा| पूरा प्रश्न 9 अंक का होगा|

सेमेस्टर - 3

CCA9-हिंदी साहित्य का आधुनिक काल

पूर्णांक- 100

आतंरिक मूल्यांकन - 30

लिखित - 70

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Total Credits	Marks				
			Hours			Credit				TI	TE	PI	PE	Total
CC-A9	हिंदी साहित्य का आधुनिक काल	240/HIN/CC309	3	1	-	3	1	-	4	30	70	-	-	100

पाठयक्रम उद्देश्य :

- हिंदी साहित्य के इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान।
- इतिहास लेखन, प्रमुख इतिहास ग्रंथ और विभिन्न युगों का विशिष्ट ज्ञान प्रदान करना।

पाठयक्रम परिणाम:

- साहित्य इतिहास के ग्रंथों का अध्ययन करना।
- हिंदी साहित्य के विभिन्न युगों का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

पाठयक्रम: खंड - क

- आधुनिक कला काव्य का इतिहास
- आधुनिक हिंदी साहित्य इतिहास के अध्ययन की पूर्व पीठिका
- भारतेंदु युगीन हिंदी काव्य की प्रवृत्तियां
- द्विवेदी युगीन हिंदी काव्य की प्रवृत्तियां
- छायावाद की प्रवृत्तियां
- प्रगतिवाद की प्रवृत्तियां
- प्रयोगवाद की प्रवृत्तियां
- नई कविता की प्रवृत्तियां
- समकालीन कविता की प्रवृत्तियां
- खंड - ख आधुनिक काल : गद्य का विकास
- हिंदी नाटक उद्भव और विकास
- हिंदी एकांकी उद्भव और विकास

- हिंदी निबंध उद्भव और विकास
- हिंदी उपन्यास उद्भव और विकास
- हिंदी कहानी उद्भव और विकास
- हिंदी आलोचना उद्भव और विकास
- हिंदी आत्मकथा उद्भव और विकास
- हिंदी जीवनी और विकास

निर्देश:

- पूरे पाठ्यक्रम में से आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा| प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ अंक निश्चित है| पूरी इकाई-1 32 अंकों की होगी|
- पूरे पाठ्यक्रम में 10 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में से किन्हीं 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा| प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा| पूरी इकाई -2 30 अंकों की होगी|
- पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न एक- एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा|

Semester-3

MIC3-व्यवसायिक संप्रेषण और हिंदी भाषा

अधिकतम अंक:**100**

लिखित परीक्षा:**70**

आंतरिक मूल्यांकन :**30**

Course Code	Course Title	Course ID
MIC-3	- व्यवसायिक संप्रेषण और हिंदी भाषा-3	240/HIN/MI303

पाठयक्रम उद्देश्य :

भाषिक संप्रेषण के स्वरूप एवम सिद्धांतो से विद्यार्थियों का परिचय।

विभिन्न माध्यमों की जानकारी ।

प्रभावी संप्रेषण का महत्त्व।

रोजगार संबंधी क्षेत्रो के लिए तैयार करना।

पाठयक्रम परिणाम :- स्नातक स्तर के छात्रों को भाषीय संप्रेषण की समझ और संभाषण से संबंधित अनेक पहलुओं से अवगत कराया जाएगा।

- भाषीय संप्रेषण और संभाषण के अनेकों आयाम, उसके महत्त्व, प्रयोग विस्तार , शैली, भाषीय संस्कृति की समझ विकसित होगी।

- भाषा के शुद्ध उच्चारण, सामान्य लेखन, रचनात्मक लेखन और तकनीकी शब्दों से अवगत हो सकेंगे।

<u>पाठयक्रम</u> :-

खंड **:** क भाषिक संप्रेषण: स्वरूप और प्रक्रिया

1: संप्रेषण की अवधारणा

2: संप्रेषण की प्रक्रिया

3: संप्रेषण के विभिन्न मॉडल

खंड: ख -व्यवसायिक संप्रेषण एवं प्रेजेंटेशन

1: व्यवसायिक संप्रेषण का महत्त्व

2: व्यवसायिक संप्रेषण की विशेषता

3: प्रेजेंटेशन अथवा विशेषता

4: व्यवसायिक भाषा एवम संप्रेषण मे तकनीकी का महत्त्व) ई-मेल, टेक्स्ट मैसेज , वीडियो कांफ्रेंसिंग, सोशल नेटवर्किंग, ई - कम्युनिकेशन(

खंड: ग - व्यवसायिक लेखन :विविध रूप

1: व्यवसायिक पत्र लेखन

2:रिपोर्ट लेखन और ज्ञापन

3: नोटिस, मिनट्स, एजेंडा , नौकरी के लिए पत्र लेखन

सन्दर्भ पुस्तकें**:#** हिंदी का सामाजिक संदर्भ: रविंद्रनाथ श्री वास्तव

संप्रेषण परक व्याकरण : सिद्धांत और स्वरूप :सुरेश कुमार

प्रयोग और प्रयोग :वी .आर. जगन्नाथ

#भारतीय भाषा चिंतन की पीठिका - विद्यानिवास मिश्र

भाषीय अस्मिता और हिंदी :रविंद्रनाथ श्री वास्तव

निर्देश :1. निर्धारित निर्धारित पाठ्यक्रम में से प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प के साथ दो प्रश्न पूछते हुए कल 8 प्रश्न पूछे जाएंगे परीक्षार्थी को निर्धारित विकल्पों में से किसी एक प्रश्न का चयन करके कुल कर प्रश्न करने होंगे प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा

2.पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 10 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्ही 6 प्रश्न का उत्तर देना होगा प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा

3.पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे प्रत्येक प्रश्न एक एक अंक का होगा

सेमेस्टर- 4

CC-A10-काव्यांग परिचय

पूर्णांक :10**0**

आतंरिक मूल्यांकन :30

लिखित: 70

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A10	काव्यांग परिचय	240/HIN/CC410

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

1. काव्य के विभिन्न अंगो से परिचित कराना।

2. हिंदी काव्यागों के क्रमिक विकास और प्रमुख कवियों के योगदान का अध्ययन करना|

पाठ्यक्रम के परिणाम:

1. छात्र हिंदी काव्यागों के विभिन्न अंगों का ज्ञान प्राप्त कर सकेगें।

2. छात्र हिंदी काव्यागों के प्रति विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण निर्मित कर सकेगें|

पाठयक्रम - निर्धारित विषय

खंड क - काव्य-भेद

1) महाकाव्य 2) खंडकाव्य 3) गीत काव्य खंड

खंड - ख विविध गद्य विधाएं

1) उपन्यास 2) कहानी 3) नाटक 4) निबंध

खंड -ग

- रस का स्वरूप , रस के अवयव , रस के भेद तथा रसों का सोदाहरण परिचय
- अलंकार-अलंकार का स्वरूप,अलंकार का महत्व, अलंकार वर्गीकरण तथा प्रमुख अलंकारों का उदाहरण परिचय-
  अनुप्रास,यमक,श्लेष,रूपक,उत्प्रेक्षा,अनोयोक्ति,समासोक्ति,अतिशयोक्ति,संदेह,विरोधाभास, विभावना, मानवीकरण

- छन्द का स्वरूप,छंद का वर्गीकरण,प्रमुख छंदों का सोदाहरण परिचय- दोहा,चौपाई,बरवै,सोरठा, कुंडलिया,छप्पय,सवैया, घनाक्षरी,स्वच्छंद तथा मुक्तक छंद
- काव्य गुण: परिभाषा और स्वरूप,काव्य के काव्यगुण,भेद- प्रसाद,माधुर्य ओजगुण
- शब्द शक्तियाँ: परिभाषा, स्वरूप एवं भेद- अभिधा,लक्षणा और व्यंजना

निर्देश:

- पूरे पाठ्यक्रम में से 8 दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा प्रत्येक प्रश्न के लिए 8 अंक निर्धारित है| पूरा खंड 32 अंकों का होगा|
- पूरे पाठ्यक्रम में 10 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को 200 शब्दों में 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा| प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा| पूरा खंड 30 अंक का होगा|
- पूरे पाठ्यक्रम में 8 अनिवार्य वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न आठ अंक का होगा|

सेमेस्टर - 4

CCA11-आधुनिक हिंदी कविता

पूर्णांक :100

आतंरिक मूल्यांकन :30

लिखित: 70

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A11	आधुनिक हिंदी कविता	240/HIN/CC411

पाठयक्रम उद्देश्य :

- आधुनिक हिंदी कविता का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्रदान करना |
- आधुनिक हिंदी कविता के विविध रूपों का ज्ञान कराना |

पाठयक्रम परिणाम :

- आधुनिक हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों की समझ विकसित करना|
- आधुनिक हिंदी कविता के विविध आयाम एवं प्रमुख कवियों की उत्कृष्ट रचनाओं का अध्ययन करना|

पाठयक्रम :आधुनिक काव्य प्रत्यय (छायावादी हिंदी कविता और छायावादोत्तर हिंदी कविता)

-संपादक डॉक्टर रामसजन पांडे, प्रकाशक- खाटू श्याम प्रकाशन,वर्ष 1276/5, पीर जी मोहल्ला, प्रताप टॉकीज, रोहतक

खंड - क छायावादी हिंदी कविता :

- जयशंकर प्रसाद- हिमाद्री तुंगश्रंग से, जाग री, मेरे नाविक, आह! वेदना मिली विदाई,सौंदर्य| सूर्यकांत त्रिपाठी निराला - भारती वंदना, बसंत आ गया है, जागो फिर एक बार, बादल राग- ध्वनि गहन है यह अंधकार, स्नेह निर्झर बह गया है|
- सुमित्रानंदन पंत - तप रे ! ताज द्रुत झरो, भारत माता यह धरती कितना देती है|
- महादेवी वर्मा - धीरे-धीरे उतर क्षितिज, मैं नीर भरी दुख की बदली, पथ होने दो अपरिचित, जब यह दीप जले, यह मंदिर का दीप|

छायावादोत्तर हिंदी कविता

- सच्चिदानंद हीरानंद वात्सायन अज्ञेय - आज थका हिय हारिल मेरा, मैंने देखा एक बूंद,पानी बरसा,बावरा अहेरी,हिरोशिमा,सोनमछली,नदी के द्वीप|
- धर्मवीर भारती - नवंबर की दोपहर, उत्तर नहीं है,संक्रांति, गौरिक वाणी,निर्माण योजना,टूटा पहिया नागार्जुन- प्रतिबद्ध हूं, वह दंतुरित मुस्कान, सोनिया समुद्र, अकाल और उसके बाद,शासन की बंदूक,सत्य|
- दुष्यंत कुमार - कहा तो तय था चिरागों हरेक घर के लिए,कैसे मंज़र सामने आने लगे हैं, ये सारा जिस्म झुककर बोझ से दुहरा होगा, भूख है तो सब्र कर, रोटी नहीं तो क्या हुआ आज सड़कों पर लिखे हैं सैकड़ो नारे ना देख, बाढ़ की संभावना सामने है|
- कुंवर नारायण- चक्रव्यूह, ये पक्तियां मेरे निकट, जब आदमी- नहीं रह पाता, अब की अगर लौटा तो, कविता, पुनश्च|

निर्देश :

- पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों के साहित्यिक परिचय, कवियों की काव्य संवेदना तथा अभिव्यक्ति कौशल पर आधारित प्रश्न ही पूछे जाएंगे|
- पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से चार-चार अवतरण दिए जाएंगे| इनमें से परीक्षार्थियों को दो-दो अवतरण की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी| प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक की होगी| पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा|
- पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना| प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है| प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 21 अंक का होगा|
- पाठ्य पुस्तकों तथा उस पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा| पाठ्य पुस्तकों में से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है| प्रत्येक लघुत्तरी प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा|
- पूरे पाठ्यक्रम में से नौ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न एक - एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न 9 अंक का होगा|

सेमेस्टर- 4

CC-A12-हिंदी का मौखिक साहित्य विशेष संदर्भ: ब्रज,अवधी और हरियाणवी

पूर्णांक - 100
आंतरिक मूल्यांकन- 30
लिखित - 70

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A12	हिंदी का मौखिक साहित्य विशेष संदर्भ: ब्रज,अवधी और हरियाणवी	240/HIN/CC412

पाठ्क्रम उद्देश्य :

- हिंदी के मौखिक साहित्य की अवधारणा से परिचित हो सकेगे|
- हिंदी के विस्तृत लोक साहित्य का अध्ययन कर सकेगे|

पाठयक्रम परिणाम :

- हिंदी के मौखिक साहित्य से परम्परा, प्रथाओं और अतीत से परिचित हो सकेगें|
- छात्र लोक साहित्य के प्रति रूचि का विकास कर सकेगे|

<u>पाठयक्रम :</u>

- खंड क - मौखिक साहित्य की अवधारणा: सामान्य परिचय, मौखिक साहित्य और लिखित साहित्य का संबंध| लोक साहित्य के विविध रूप- लोकगीत, लोककथा, लोककथाएं, लोकनाट्य, लोकोक्तियां|
- खंड ख- पहेलियां, बुझौवल और मुहावरे, हिंदी क्षेत्र की जन बोलियां और उनका साहित्य (सामान्य परिचय) मौखिक समाज|
- हरियाणवी लोकगीत,वाचक और मुद्रित| - हरियाणा प्रदेश का लोक साहित्य (शंकर लाल यादव)
- खंड ग - प्रसिद्ध लोककथाएं एवं लोकगाथाएं, आल्हा, सारंग|
- खंड घ- लोकनाट्य,विभिन्न विधाएं एवं शैलियां- विधा का परिचय, विविध भाषा क्षेत्रों के विविध नाट्य रूप और बोलियां, रामलीला मालवा का नाच, राजस्थान का ख्याल, उत्तर प्रदेश की नौटंकी, भांड, रासलीला|

<u>निर्देश:</u>

- पूरे पाठ्यक्रम में से आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा| प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ अंक निर्धारित है| पूरा खंड 32 अंकों का होगा|
- प्रत्येक पाठ्यक्रम में से 10 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को 200 शब्दों में 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा | प्रत्येक प्रश्न पांच अंक का होगा| पूरा खंड 30 अंकों का होगा|
- पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा

सेमेस्टर - 4

MIC4-हिंदी की प्रमुख संस्थाएं एवं पत्र पत्रिकाएं

पूर्णांक - **100**

आतंरिक मूल्यांकन - **30**

लिखित - **70**

Course Code	Course Title	Course ID
MIC04	हिंदी की प्रमुख संस्थाएं एवं पत्र पत्रिकाएं	240/HIN/MI404

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

. पत्रकारिता की मूल अवधारणाओं को समझाना|

छात्रों को समाचार लेखन, संपादकीय लेखन, और फीचर लेखन की तकनीकों में प्रशिक्षित करना।

छात्रों को पत्रकारिता नैतिकता, प्रेस कानून, और मीडिया के सामाजिक उत्तरदायित्वों के बारे में शिक्षित करना।

पाठ्यक्रम परिणाम:

1. समाचार और लेखन की समझ : छात्र समाचार, फीचर, और संपादकीय लेखन की तकनीक में कुशल हो जाएंगें।

2. मीडिया नैतिकता और कानून की जानकारी: छात्र पत्रकारिता नैतिकता और प्रेस कानूनों की महत्वपूर्ण समझ विकसित करेंगे।

3. मल्टीमीडिया दक्षता :छात्र प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, और डिजिटल मीडिया में कार्य करने की क्षमता हासिल करेंगे।

इस तरह के उद्देश्य और परिणाम छात्रों को पत्रकारिता के विभिन्न पहलुओं में व्यापक ज्ञान और व्यावहारिक कौशल प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

पाठ्यक्रम : **खंड - क** हिंदी की प्रमुख पत्र पत्रिकाओं का परिचय|

- हिंदी की प्रमुख संस्थाओं का योगदान|
- शिक्षा के क्षेत्र में पत्र पत्रिकाओं का महत्व|
- साहित्य में योगदान|

खंड ख – हिंदी की प्रमुख पत्र पत्रिकाए

- भारतेंदु युग की प्रमुख पत्र पत्रिकाएं|
- द्विवेदी युग|
- छायावादी युग|
- छायावादोत्तर काल|

खंड ग – हिंदी की संस्कृति के प्रचार प्रसार में योगदान देने वाली प्रमुख संस्थाएं

- हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयाग|

<u>निर्देश:</u>

- पूरे पाठ्यक्रम में से आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा| प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ अंक निर्धारित है| पूरा खंड 32 अंकों का होगा|
- प्रत्येक पाठ्यक्रम में से 10 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को 200 शब्दों में 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा | प्रत्येक प्रश्न पांच अंक का होगा| पूरा खंड 30 अंकों का होगा|
- पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा

सेमेस्टर - 5

CC-A13-भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

अधिकतम अंक:100

लिखित परीक्षा:70

आंतरिक मूल्यांकन :30

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A13	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	240/HIN/CC513

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

1. भारतीय काव्यशास्त्र और पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विभिन्न अंगो से परिचित कराना।

2. भारतीय काव्यशास्त्र और पाश्चात्य काव्यशास्त्र काव्यागों के क्रमिक विकास और प्रमुख कवियों के योगदान का अध्ययन करना|

पाठ्यक्रम के परिणाम:

1. छात्र भारतीय काव्यशास्त्र और पाश्चात्य काव्यशास्त्र काव्यागों के विभिन्न अंगों का ज्ञान प्राप्त कर सकेगें।

2. छात्र भारतीय काव्यशास्त्र और पाश्चात्य काव्यशास्त्र की तुलना कर विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण निर्मित कर सकेगें|

<u>पाठयक्रम -</u> खंड क काव्य का स्वरूप, काव्य के तत्व, काव्य के प्रयोजन, काव्य हेतु|

खंड ख - भारतीय काव्य सिद्धांत,रस सिद्धांत,अलंकार सिद्धांत,रीति सिद्धांत,वक्रोक्ति सिद्धांत,ध्वनि सिद्धांत,औचित्य सिद्धांत|

- प्रमुख पाश्चात्य काव्य सिद्धांत - प्लेटो का काव्य सिद्धांत,अरस्तु का अनुकरण सिद्धांत, लोंज़ायिनस का उदात्त तत्व, कॉलरिज का कल्पना सिद्धांत,रिचर्ड का संवेगों का संतुलन,
- विविध काव्यशास्त्रीय वाद- अभिजात्यवाद,स्वछंदतावाद,मार्क्सवाद,अभिव्यंजनावाद,मनोविश्लेषणवाद |

निर्देश:

- पूरे पाठ्यक्रम में से 8 दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को चार प्रश्नों का उत्तर देना| प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ अंक निश्चित है| पूरा प्रश्न 32 अंकों का होगा|
- पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 10 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को 200 शब्दों में छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा| प्रत्येक प्रश्न पांच अंक का होगा| पूरा खंड 30 अंकों का होगा|
- पूरे पाठ्यक्रम से 8 अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न आठ अंक का होगा|

सेमेस्टर - 5

CC-A14- निबंध साहित्य

अधिकतम अंक:100

लिखित परीक्षा:70

आंतरिक मूल्यांकन :30

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A14	निबंध साहित्य	240/HIN/CC514

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

- निबंध की सैद्धांतिक अवधारणा को समझना |
- हिंदी निबंध की विकास परंपरा का ज्ञान कराना|
- हिंदी निबंध की विविध प्रवृत्तियों के जरिए निबंध की विकास यात्रा का अध्ययन करना |

पाठ्यक्रम के परिणाम :

- निबंध लेखन की कला का विकास करना |
- प्रमुख निबंधों एवं निबंधकारों की विशेषताओं के जरिए उपन्यास और समाज के अंतर संबंध को समझना|

<u>पाठयक्रम</u> - खंड - क

- निबंध निकष,संपादक डॉ. रामचंद्र तिवारी, प्रकाशक विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी|
- निबंध - साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है - बालकृष्ण भट्ट
- कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता- महावीर प्रसाद द्विवेदी
- मजदूरी और प्रेम- अध्यापक पूर्ण सिंह
- कछुआ धर्म - चंद्रधर शर्मा गुलेरी
- भारत की सांस्कृतिक एकता - रामधारी सिंह दिनकर
- चेतना का संस्कार - सच्चिदानंद हीरानंद वात्सायन अज्ञेय
- साहित्य में चेतनाभिव्यक्ति - डॉक्टर नगेंद्र
- सौंदर्य की वस्तुगत सत्ता और सामाजिक विकास - डॉक्टर रामविलास शर्मा

खंड - ख

- अशोक के फूल - हजारी प्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- इस पुस्तक से दो निबंध - 1.अशोक के फूल 2.बसंत आ गया है
- विश्वविद्यालय मिश्र,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद -(इस पुस्तक से दो निबंध)- 1. अस्तित्व की पुकार-हिमालय 2. इन टूटे हुए दियों से काम चलाओ|
- रस आखेटक, कुबेरनाथ राय,भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन,दिल्ली(इस पुस्तक से दो निबंध) -रस आखेटक, हरी- हरी दूब और लाचार क्रोध

निर्देश : पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों के साहित्यिक परिचय,निर्धारित निबंधों के प्रतिपाद्य, भाषा शैली पर आधारित प्रश्न पूछे जाएंगे|

- पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से चार-चार अवतरण दिए जाएंगे| इनमें से परीक्षार्थियों को दो-दो अवतरण की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी| प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक की होगी| पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा|
- पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना| प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है| प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 21 अंक का होगा|
- पाठ्य पुस्तकों तथा उस पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा| पाठ्य पुस्तकों में से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है| प्रत्येक लघुत्तरी प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा|
- पूरे पाठ्यक्रम में से नौ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न एक - एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न 9 अंक का होगा|

सेमेस्टर - 5

विशिष्ट लेखक : विकल्प 3 : उपन्यासकार प्रेमचंद

अधिकतम अंक:100

लिखित परीक्षा:70

आतंरिक मूल्यांकन :30

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A15	विशिष्ट लेखक - उपन्यासकार प्रेमचंद	240/HIN/CC515

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- उपन्यास की सैधांतिक अवधारणा को समझना|
- प्रेमचंद और गोदान की विशिष्टताओं से व्यक्ति और समाज के अंतर्संबंधों को समझना|

पाठ्यक्रम परिणाम :

- प्रेमचंद के उपन्यासों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाल सकेगें|
- उपन्यासों के माध्यम से समाज और उसकी सरंचना का अध्ययन करना|

<u>पाठ्यक्रम</u>

विशिष्ट लेखक : प्रेमचंद (रंगभूमि, गबन)

- चौबीसवां प्रश्नपत्र : विशिष्ट लेखक : विकल्प - 1 : उपन्यासकार प्रेमचंद
- चौबीसवां प्रश्नपत्र : विशिष्ट लेखक : विकल्प - 2 : उपन्यासकार जयशंकर प्रसाद
- चौबीसवां प्रश्नपत्र : विशिष्ट लेखक : विकल्प - 3 : निबंधकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल

<u>पाठ्यक्रम:</u>

खंड क

- उपन्यास - रंगभूमि,गबन (प्रेमचंद)

खंड ख

- प्रेमचंद का जीवन , प्रेमचंद का समय , प्रेमचंद का उपन्यास साहित्य

खंड ग

- प्रतिपाद्य , चरित्र-चित्रण , युगीन समस्या-निरूपण , गांधीवादी चेतना

निर्देश :

- पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से चार-चार अवतरण दिए जाएंगे| इनमें से परीक्षार्थियों को दो-दो अवतरण की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी| प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक की होगी| पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा|

- पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना| प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है| प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 21 अंक का होगा|
- पाठ्य पुस्तकों तथा उस पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा| पाठ्य पुस्तकों में से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है| प्रत्येक लघुत्तरी प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा|
- पूरे पाठ्यक्रम में से नौ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न एक - एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न 9 अंक का होगा|

सेमेस्टर - 5

विशिष्ट लेखक : विकल्प 3 : नाटककार जयशंकर प्रसाद

अधिकतम अंक:100

लिखित परीक्षा:70

आंतरिक मूल्यांकन :30

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A15	विशिष्ट लेखक -नाटककार जयशंकर प्रसाद	240/HIN/CC515

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- उपन्यास की सैधांतिक अवधारणा को समझना|
- अजातशत्रु और ध्रुवस्वामिनी नाटक की विशिष्टताओं से व्यक्ति और समाज के अंतर्संबंधों को समझना|

पाठ्यक्रम परिणाम :

- जयशंकर प्रसाद के नाटकों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाल सकेगें||
- नाटकों के माध्यम से समाज और उसकी सरंचना का अध्ययन करना|

पाठ्यक्रम :

खड़ क - नाटक

- अजातशत्रु - जयशंकर प्रसाद
- ध्रुवस्वामिनी - जयशंकर प्रसाद

खंड - ख

- प्रसाद का जीवन
- प्रसाद का समय
- प्रसाद का नाटक साहित्य : सामान्य परिचय

खंड - ग निर्धारित नाटकों पर निम्नलिखित प्रश्न पूछे जाएंगे-

- प्रतिपाद्य,चरित्र-चित्रण,इतिहास और कल्पना का योग,अभिनेयता,
- हिंदी नाटक परंपरा को प्रसाद का योगदान

निर्देश :

- पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से चार-चार अवतरण दिए जाएंगे| इनमें से परीक्षार्थियों को दो-दो अवतरण की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी| प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक की होगी| पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा|
- पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना| प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है| प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 21 अंक का होगा|
- पाठ्य पुस्तकों तथा उस पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा| पाठ्य पुस्तकों में से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है| प्रत्येक लघुत्तरी प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा|
- पूरे पाठ्यक्रम में से नौ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न एक - एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न 9 अंक का होगा|

सेमेस्टर - 5

विशिष्ट लेखक - आचार्य रामचंद्र शुक्ल

अधिकतम अंक:100

लिखित परीक्षा:70

आंतरिक मूल्यांकन :30

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A15	विशिष्ट लेखक -आचार्य रामचंद्र शुक्ल	240/HIN/CC515

पाठयक्रम उद्देश्य :

की सैधांतिक अवधारणा को समझना|

- निबंध की विशिष्टताओं से व्यक्ति और समाज के अंतर्संबंधों को समझना|

पाठयक्रम परिणाम :

- निबंध की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालना|
- निबंध के माध्यम से समाज और उसकी सरंचना का अध्ययन करना|

<u>पाठयक्रम -</u> खंड क

- चिंतामणि - भाग एक - रामचंद्र शुक्ल

इस पुस्तक से निम्नलिखित निबंध शामिल हैं-

¶ भाव

¶ मनोविकार

¶ उत्साह

¶ श्रद्धा

¶ भक्ति

¶ करुणा

¶ लज्जा और ग्लानि

¶ लोभ और प्रीति

¶ ईर्ष्या

¶ भय

¶ क्रोध

¶ कविता क्या है

¶ कविता में लोकमंगल की साधना

खंड ख

¶ आचार्य शुक्ल का जीवन

¶ आचार्य शुक्ल का युग

¶ आचार्य शुक्ल का निबंध साहित्य

¶ पाठ्यक्रम में निर्धारित निबंधों का प्रतिपाद्य और शिल्प

¶ हिंदी निबंध परंपरा को शुक्ल का योगदान

निर्देश :

- पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से चार-चार अवतरण दिए जाएंगे| इनमें से परीक्षार्थियों को दो-दो अवतरण की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी| प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक की होगी| पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा|
- पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना| प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है| प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 21 अंक का होगा|
- पाठ्य पुस्तकों तथा उस पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा| पाठ्य पुस्तकों में से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है| प्रत्येक लघुत्तरी प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा|
- पूरे पाठ्यक्रम में से नौ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न एक - एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न 9 अंक का होगा|

सेमेस्टर - 6

CC-A16-निबंध लेखन

अधिकतम अंक:100

लिखित परीक्षा:70

आंतरिक मूल्यांकन :30

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A16	निबंध लेखन	240/HIN/CC616

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- निबंध की सैद्धांतिक अवधारणा को समझना |
- हिंदी निबंध की विकास परंपरा का ज्ञान कराना|
- हिंदी निबंध की विविध प्रवृत्तियों के जरिए निबंध की विकास यात्रा का अध्ययन करना |

पाठ्यक्रम के परिणाम:

- निबंध लेखन की कला का विकास करना |
- प्रमुख निबंधों एवं निबंधकारों की विशेषताओं के जरिए उपन्यास और समाज के अंतर संबंध को समझना|

<u>पाठयक्रम</u> - खंड - क साहित्यिक और सामान्य निबंध

- साहित्य और समाज
- राष्ट्रभाषा हिंदी समस्या और समाधान
- समाजसुधारक कबीर
- लोकनायक तुलसीदास
- भक्ति काल : स्वर्ण युग
- छायावाद
- प्रगतिवाद
- प्रयोगवाद
- रहस्यवाद
- भ्रष्टाचार कारण और निवारण
- राष्ट्र निर्माण में नारी का योगदान
- हिंदी का विश्वव्यापी स्वरूप

- पर्यावरण और हम
- मानवाधिकार
- भूमंडलीकरण

खड़ ख :सूक्तिपरक निबंध

- अहिंसा परमो धर्म:
- नर हो न निराश करो मन को
- दादा न भैया, सबसे बड़ा रुपैया
- जहां चाह, वहां राह
- परहित सरिस धर्म नहीं भाई
- मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना
- जियो और जीने दो
- निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल
- मनुष्य है वही जो मनुष्य के लिए मरे

निर्देश:

- पाठ्यक्रम में निर्धारित खड़ क तथा ख में से चार-चार निबंध पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को प्रत्येक खंड से एक-एक निबंध लिखना होगा| प्रत्येक निबंध 35- 35 अंक का होगा| पूरा प्रश्न **70** अंक का होगा|

सेमेस्टर - 6

विशिष्ट कवि-निराला,कबीरदास,सूरदास,अज्ञेय,बिहारी

अधिकतम अंक:100

लिखित परीक्षा:70

आंतरिक मूल्यांकन :30

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A17	विशिष्ट कवि-निराला	240/HIN/CC617

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- आधुनिक हिंदी कविता की विशेषताओं से अवगत कराना|
- निराला का काव्य-वैशिष्ट्य और योगदान समझना|

पाठ्यक्रम परिणाम :

- आधुनिक हिंदी कविताओं की समझ विकसित करना|
- निराला की रचनाओं से समाज की बारीकियों का विश्लेषण करना|
- निराला के साहित्यिक योगदान और समसामयिक परिस्थितियों की समझ विकसित करना|

(विशिष्ट कवि) निराला राग- विराग पाठ्यक्रम खंड क

पाठ्यक्रम खंड क - (विशिष्ट कवि) निराला राग- विराग

- निराला का युग
- निराला का जीवन
- निराला की काव्य-कृतियां
- निराला बहुवस्तु स्पर्शनी प्रतिभा के कवि
- निराला की राष्ट्रीय चेतना
- निराला का मानवतावादी दृष्टिकोण
- निराला की प्रकृति चेतना
- निराला की लंबी कविताएं
- संवेदना और शिल्प
- निराला की गीत योजना
- निराला की काव्य भाषा
- निराला का मुक्त छंद

- निराला की भाषा
- निराला का अभिव्यक्ति सौष्ठव

निर्देश :

- पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से चार-चार अवतरण दिए जाएंगे| इनमें से परीक्षार्थियों को दो-दो अवतरण की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी| प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक की होगी| पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा|
- पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना| प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है| प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 21 अंक का होगा|
- पाठ्य पुस्तकों तथा उस पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा| पाठ्य पुस्तकों में से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है| प्रत्येक लघुत्तरी प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा|
- पूरे पाठ्यक्रम में से नौ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न एक - एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न 9 अंक का होगा|

सेमेस्टर - 6

विशिष्ट कवि-निराला,कबीरदास,सूरदास,अज्ञेय,बिहारी

अधिकतम अंक:100

लिखित परीक्षा:70

आंतरिक मूल्यांकन :30

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A17	विशिष्ट कवि- कबीर	240/HIN/CC617

पाठयक्रम उद्देश्य :

- मध्यकालीन हिंदी कविता की विशेषताओं से अवगत कराना|
- कबीर का काव्य-वैशिष्ट्य और योगदान समझना|

पाठयक्रम परिणाम :

- मध्यकालीन हिंदी कविताओं की समझ विकसित करना|
- कबीर की रचनाओं से समाज की बारीकियों का विश्लेषण करना|
- कबीर के साहित्यिक योगदान और समसामयिक परिस्थितियों की समझ विकसित करना|

पाठयक्रम : खंड क

कबीर ग्रंथावली, संपादक- डॉ श्यामसुंदर दास

निर्धारित साखी और पद :

गुरुदेव कौ अंग,सुमिरन कौ अंग,विरह कौ अंग,चितावणी कौ अंग|

पद- 1,2,3, 11, 21,23,24, 32, 33, 34, 37, 38, 39, 40, 41, 42 ,43, 44, 45, 46, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56,57, 60, 61, 63,64, 65,78, 80, 84, 89,91, 92,99,100, 111, 113,114,117, 120, 129,150

खंड ख - कबीर का युग,कबीर का जीवन,कबीर का साहित्य,कबीर की सामाजिक चेतना,कबीर की दार्शनिक चेतना,कबीर की मानवतावादी दृष्टिकोण,कबीर की भक्ति भावना,कबीर का रहस्यवाद,कबीर की भाषा,कबीर का कला पक्ष|

कबीर साहित्य से प्रमुख पारिभाषिक शब्द - उन्मनी, नाथ, बिंदु, आकाश|

निर्देश :

- पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से चार-चार अवतरण दिए जाएंगे| इनमें से परीक्षार्थियों को दो-दो अवतरण की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी| प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक की होगी| पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा|
- पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना| प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है| प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 21 अंक का होगा|
- पाठ्य पुस्तकों तथा उस पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा| पाठ्य पुस्तकों में से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है| प्रत्येक लघुत्तरी प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा|
- पूरे पाठ्यक्रम में से नौ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न एक - एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न 9 अंक का होगा|

सेमेस्टर - 6

विशिष्ट कवि - सूरदास

अधिकतम अंक:100

लिखित परीक्षा:70

आंतरिक मूल्यांकन :30

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A17	विशिष्ट कवि- सूरदास	240/HIN/CC617

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- मध्यकालीन हिंदी कविता की विशेषताओं से अवगत कराना|
- सूरदास का काव्य-वैशिष्ट्य और योगदान समझना|

पाठ्यक्रम परिणाम : मध्यकालीन हिंदी कविताओं की समझ विकसित करना|

- सूरदास की रचनाओं से समाज की बारीकियों का विश्लेषण करना|
- सूरदास के साहित्यिक योगदान और समसामयिक परिस्थितियों की समझ विकसित करना|

<u>पाठ्यक्रम : खंड - क</u>

- सूरदास- भ्रमर गीतसार, संपादक - रामचंद्र शुक्ल,पद संख्या - 21 से 121 - 101 पद

<u>खड ख</u> - सूर का युग,सूर का जीवन, सूर का साहित्य, सूर का वात्सल्य वर्णन, सूर का श्रृंगार वर्णन, सूर की भक्ति भावना,सूर का सौंदर्यबोध,सूर की दार्शनिक चेतना, सूर का प्रकृति चित्रण, सूर की गीति योजना,सूर की काव्य-भाषा|

निर्देश :

- पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से चार-चार अवतरण दिए जाएंगे| इनमें से परीक्षार्थियों को दो-दो अवतरण की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी| प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक की होगी| पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा|
- पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना| प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है| प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 21 अंक का होगा|

- पाठ्य पुस्तकों तथा उस पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा| पाठ्य पुस्तकों में से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है| प्रत्येक लघुत्तरी प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा|
- पूरे पाठ्यक्रम में से नौ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न एक - एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न 9 अंक का होगा|

सेमेस्टर - 6

विशिष्ट कवि - अज्ञेय

अधिकतम अंक:100

लिखित परीक्षा:70

आंतरिक मूल्यांकन :30

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A17	विशिष्ट कवि- अज्ञेय	240/HIN/CC617

पाठयक्रम उद्देश्य :

- आधुनिककालीन हिंदी कविता की विशेषताओं से अवगत कराना|
- आधुनिककालीन का काव्य-वैशिष्ट्य और योगदान समझना|

पाठयक्रम परिणाम :

- आधुनिककालीन हिंदी कविताओं की समझ विकसित करना|
- अज्ञेय की रचनाओं से समाज की बारीकियों का विश्लेषण करना|
- अज्ञेय के साहित्यिक योगदान और समसामयिक परिस्थितियों की समझ विकसित करना|

पाठ्यक्रम खंड क - निर्धारित पाठयपुस्तक - अज्ञेय , संपादक विद्यानिवास मिश्र|

- अज्ञेय का जीवन
- अज्ञेय का युग
- अज्ञेय की काव्य-कृतियां
- प्रयोगवादी काव्य परंपरा में अज्ञेय
- असाध्यवीणा : संवेदना और शिल्प
- अज्ञेय की काव्य संवेदना
- अज्ञेय का प्रकृति वर्णन
- अज्ञेय की काव्य भाषा
- अज्ञेय का शिल्प विधान|

निर्देश :

- पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से चार-चार अवतरण दिए जाएंगे| इनमें से परीक्षार्थियों को दो-दो अवतरण की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी| प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक की होगी| पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा|

- पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना| प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है| प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 21 अंक का होगा|
- पाठ्य पुस्तकों तथा उस पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा| पाठ्य पुस्तकों में से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है| प्रत्येक लघुत्तरी प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा|
- पूरे पाठ्यक्रम में से नौ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न एक - एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न 9 अंक का होगा|

सेमेस्टर - 6

विशिष्ट कवि - बिहारी

अधिकतम अंक:100

लिखित परीक्षा:70

आंतरिक मूल्यांकन :30

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A17	विशिष्ट कवि- बिहारी	240/HIN/CC617

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- मध्यकालीन हिंदी कविता की विशेषताओं से अवगत कराना|
- बिहारी का काव्य-वैशिष्ट्य और योगदान समझना|

पाठ्यक्रम परिणाम :

- मध्यकालीन हिंदी कविताओं की समझ विकसित करना|
- बिहारी की रचनाओं से समाज की बारीकियों का विश्लेषण करना|
- बिहारी के साहित्यिक योगदान और समसामयिक परिस्थितियों की समझ विकसित करना|

पाठ्यक्रम : खंड क - निर्धारित पाठ्य - पुस्तक -बिहारी सतसई,संपादक - जगन्नाथ दास रत्नाकर|

- निर्धारित दोहे एक से लेकर 100 तक

खंड - ख - बिहारी की बहुज्ञता, बिहारी का काव्य सौष्ठव,बिहारी का नारी चित्रण, बिहारी की सौन्दर्य चेतना/ भावना, बिहारी की श्रृंगार भावना,बिहारी काव्य का कला-पक्ष, बिहारी काव्य प्रकृति चित्रण,बिहारी काव्य में विरह योजना,बिहारी काव्य में अलंकार योजना, बिहारी काव्य में भाषा का स्वरूप|

निर्देश :- पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से चार-चार अवतरण दिए जाएंगे| इनमें से परीक्षार्थियों को दो-दो अवतरण की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी| प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक की होगी| पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा|

- पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना| प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है| प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 21 अंक का होगा|

- पाठ्य पुस्तकों तथा उस पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा| पाठ्य पुस्तकों में से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है| प्रत्येक लघुत्तरी प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा|
- पूरे पाठ्यक्रम में से नौ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न एक - एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न 9 अंक का होगा|

सेमेस्टर - 6

CC-A18-हिंदी का सृजनात्मक एवं प्रयोजनमूलक स्वरूप

अधिकतम अंक:**100**

लिखित परीक्षा:**70**

आंतरिक मूल्यांकन :**30**

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A18	हिंदी का सृजनात्मक एवं प्रयोजनमूलक स्वरूप	240/HIN/CC618

पाठ्यक्रम उद्देश्य एवं परिणाम-

1 स्नातक स्तर के छात्रों को भाषीय संप्रेषण की समझ और संभाषण से संबंधित अनेक पहलुओं से अवगत कराया जाएगा।

2 भाषीय संप्रेषण और संभाषण के अनेकों आयाम, उसके महत्त्व, प्रयोग विस्तार , शैली, भाषीय संस्कृति की समझ विकसित होगी।

3 भाषा के शुद्ध उच्चारण, सामान्य लेखन, रचनात्मक लेखन और तकनीकी शब्दों से अवगत हो सकेंगे।

पाठ्यक्रम - खंड क व्यावहारिक हिंदी

- भाषा व्यवहार,सरकारी पत्राचार
- टिप्पणी तथा मसौदा लेखन
- सरकारी अथवा व्यवसायिक पत्र- लेखन
- हिंदी भाषा में पारिभाषिक शब्द निर्माण प्रक्रिया एवं प्रस्तुति

खंड ख - रचनात्मक लेखन

- अर्थ निर्मिति के आधार - शब्द मीमांसा, शब्द के प्राक - प्रयोग, नव्य प्रयोग, भाषिक संदर्भ: क्षेत्रीय वर्ग- सापेक्ष, समूह सापेक्ष|
- विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन कविता : संवेदना काव्य रूप,भाषा-सौष्ठव, छंद , लय, गति व तुक| कथा साहित्य, वस्तु, पात्र, परिवेश एवं रंगकर्म|
- विविध गद्य विधाएं - निबंध, संस्मरण, व्यंग्य
- बाल साहित्य की आधारभूत संरचना

खंड घ - सूचना तंत्र के लिए लेखन

- प्रिंट माध्यम : पुस्तक समीक्षा, इलेक्ट्रॉनिक माध्यम, रेडियो, दूरदर्शन, फिल्म पटकथा लेखन, टेलीविजन पटकथा लेखन|

निर्देश : पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से चार-चार अवतरण दिए जाएंगे| इनमें से परीक्षार्थियों को दो-दो अवतरण की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी| प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक की होगी| पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा|

- पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना| प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है| प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 21 अंक का होगा|
- पाठ्य पुस्तकों तथा उस पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा| पाठ्य पुस्तकों में से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है| प्रत्येक लघुत्तरी प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा|
- पूरे पाठ्यक्रम में से नौ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न एक - एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न 9 अंक का होगा|